HISTORY (H)

PART - 'B'

B.A. - III

PAPER - Vth

HISTORY OF INDIA (1550 - 1750)

UNIT - 4 - Trade and commerce.

Trading system.

⇒ सोने का सिक्का :

शहनशाह - (अटमा) शहनशाह का 1/4 भाग था। (विसात) - शहनशाह का 1/3 भाग था।

(चुगल) - शहनशाह का 1/50 वाँ भाग था।

अकबर ने चाँदी के वर्गाकार एवं वृत्ताकार सिक्के चलाये। वर्गाकार सिक्का जलाली एवं वृत्ताकार सिक्का इलाही कहा जाता था। 1 रुपया 40 दाम के बराबर होता था। किन्तु शाहजहाँ के काल में 1 रुपया 30 दाम के बराबर हो गया था। छोटे मूल्य का चाँदी का सिक्का आना कहा जाता था। छोटे मूल्य का चाँदी का सिक्का

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

जो आना कहा जाता था वह रुपये का 16वाँ भाग होता था। जहाँगीर ने एक निसार नामक सिक्का चलाया जो रुपये का चौथाई भाग था।

दाम की छोटी इकाई निर्धारित की गई अर्थात् दाम को 25 भागों में विभाजित किया गया। इसे जीतल कहा जाता था। सबसे प्रचलित सिक्का सोने का सिक्का मुहर था। जो 9 रुपये के बराबर होता था। मुगल काल का हुण्डी प्रणाली विकसित अवस्था में थी।

17वीं शताब्दी में हुण्डी का प्रयोग रकम भेजने के अलावा अल्प समय के ऋण की व्यवस्था के लिए होता था। बीमा प्रणाली के विषय में महत्वपूर्ण स्रोत ग्रंथ सुजान राय खत्री का खुलासत - उल - तवारिख है। मुगल काल में ऋण की सुविधा भी व्यापारियों को उपलब्ध थी। ऋण प्रदान करने की एक नई व्यवस्था दादनी प्रचलित थी। दादनी प्रथा के अन्तर्गत शिल्पियों को इसमें अग्रिम पैसा दे दिया जाता था और शिल-

Page No.:

Date:

पियों को निश्चित अवधि तक व्यापारियों को माल तैयार कर देना होता था। एक विशिष्ट प्रकार की निवेश प्रणाली थी जो आवेल कहलाती थी। इसके अंतर्गत उधार लिया हुआ धन विशिष्ट स्थानों के लिए प्रस्थान कर रहे जहाजों में सामग्री के रूप में रख दिया जाताथा। इस पर अधिक ब्याज लिया जाता था क्योंकि स्वयं दाता ही माल का खतरा वहन करता था।

⇒ <u>भारत की जनसंख्या</u> :-

मोरलैंड के अनुसार भारत की जनसंख्या 16वीं शताब्दी में 100 मिलियन थी। सरदेसाई के अनुसार भारत की जनसंख्या 64.9 और 88.3 मिलियन के बीच थी। सिरीन मुस वी के अनुसार अकबर के साम्राज्य की जनसंख्या 108.4 मिलियन और सम्पूर्ण भारत की जनसंख्या 144.3 मिलियन थी। किंगसले डेविस के अनुसार भारत की जनसंख्या 125 मिलीयन थी।

Scanned with CamScanner